

महानायक आजाद की 115 वीं मनाई गई जयंती

24/07/2021

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मा.कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने 23 जुलाई को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115 वीं जयंती मनाई। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है, कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया।



आर.एन.आई.न.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दिनिक

सत्ता एक्सप्रेस

श्री.ए.बी.पी. नई विल्सी एवं राज्य सरकार द्वारा प्रियापन मान्यता प्राप्त

मार्ग: 12 अंक: 280

कानपुर देहात, शनिवार 24 जुलाई 2021

Email: sattaexpress@rediffmail.com

कृषि विश्वविद्यालय ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 115 वीं जयंती मनाई



दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह के नेतृत्व में दिनांक 23 जुलाई, 2021 को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115

वीं जयंती मनाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के

महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूँ और आजाद रहूँगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ. आर. पी. सिंह, निदेशक शोध डॉ. एच. जी. प्रकाश, समन्वयक धनिदेशक प्रसार डॉ. ए. के. सिंह, संपत्ति अधिकारी मानवेंद्र सिंह, डॉ. वी. के. त्रिपाठी एवं भीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

महानायक आजाद की 115वी मनाई गई जयंती

चंद्रशेखर आजाद महान सपूत्रों के बलिदान से ही देश सुरक्षित: कुलपति

सांध्य हलचल व्यूगे
कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कुपि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मा. कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने 23 जुलाई को भारत के सपूत्र स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115 वीं जयंती मनाई। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद को प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्ट अपित किये। कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद महान सपूत्रों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है, कि इस भारत के महान सपूत्र क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में



देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेरणा की उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं

आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ आर. पी. सिंह, निदेशक शोध डॉक्टर एवं जी प्रकाश, समन्वयक /निदेशक प्रसार डॉक्टर ए के सिंह, संपत्ति अधिकारी मानवेंद्र कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं

सिंह, डॉ. वी. के. त्रिपाठी एवं मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान सहित अन्य

उपस्थित लोगों ने भी पुष्टमाला अपित कर क्रांतिकारी सपूत्र को नमन किया।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की जयंती चौबेपुर में मनाई गयी

सांध्य हलचल व्यूगे

कानपुर नेहरू युवा केंद्र के सदस्यों द्वारा चौबेपुर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की जयंती नेहरू युवा केंद्र के सदस्यों द्वारा चौबेपुर के ग्राम गौरी लकड़ा में मनाई गई जिसमें युवा मंडल के सदस्यों ने सर्वप्रथम चंद्रशेखर आजाद जी के चित्र पर पुष्ट अपित कर उनको नमन किया तत्प्राप्त विनय त्रिपाठी द्वारा चंद्रशेखर आजाद जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया उन्होंने बताया चंद्रशेखर आजाद जी का जन्म 23 जुलाई उन्नीस सौ छह को मध्यप्रदेश के अलीगढ़पुर जिले के भावरा में हुआ था एवं इनकी मृत्यु 27 फरवरी 1931 को प्रयागराज में हुई थी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी के द्वारा किए गए कार्य आज भी युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं आजाद जी ने युवाओं के दिलों में राष्ट्रीयता और

आजादी के लिए जोश भरने वाले वीरता और साहस के पर्याय थे चंद्रशेखर आजाद जी ने 14 वर्ष की आयु में ही गांधी जी के अंदोलन से जुड़ गए थे इनका उपनाम आजाद पैडिंट था चंद्रशेखर आजाद जी कहते थे दुश्मन की गोलियों का सामना हम करेंगे आजाद है आजाद ही रहेंगे जयंती अवसर पर चंद्रशेखर आजाद जी के चित्र पर सभी उपस्थित युवाओं ने पुष्ट अपित किए। इसमें मुख्य रूप से विनय त्रिपाठी अमित कुमार उत्कर्ष शुक्ला अभय सदस्य उपस्थित रहे।





34.0° 27.0°

सूर्योदय
05.26 सूर्योसा
06.59



ओसाका ने अविनकंड किया प्रज्ञालित... 11

১০৫

चंद्रोखर आजाद कपि एवं औद्योगिकी विश्वविद्यालय में मनवी गई महानाड़क की 115वीं जयंती

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद व हल्द्वानी से प्रकाशित

आमृत विचार

ਕਾਬੀ 31, ਅੰਕ 201, ਪਟਿਆਲਾ, ਪੰਜਾਬ। 3 ਲਾਹੌਰ

एक सर्वपूर्ण अखबार

लक्ष्मण, अगिवार, 24 जुलाई 2021

मधुबाला पर फिल्माए गाने आइए गेहरा

www.jewelpixie.com

चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूत्रों के बलिदान से ही देश सुरक्षित

असूत्र शिखार, वास्तविक

चौदाहरी भाजवड कृषि तथा प्रौद्योगिकी विकासितालय में 23 जुलाई को भारत के समूह सरकारी संस्थान के महाप्रबन्धक एवं ड्राइवर्स की ओर से चौदाहरी भाजवड की विस्तृततालय परिसर में 115 वीं जारी घनाई गई। इस अवसर पर जुलाई की बी. औ.आर. मिंग ने विस्तृतालय परिसर में भाजवड की प्रतिष्ठान को लगान कर मानवरक्षण एवं पुण्य उत्तरि किये।

इस अवसर पर कुलची कहा कि चौदशवाह अब भारत महान समूहों के विभिन्न में ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपर युद्ध है, कि इस भारत के महान सभूत द्विनिकारी के नाम पर हमारे विवरणात्मका नाम है। उन्होंने कहा कि महान द्विनिकारी के बाय



संक्षेप में इनकी विवरण अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए दृष्टि ध्वनि विभाग का विज्ञापन देखें।

प्राचीन शिल्प

आजांका द्वारा उत्पन्न एवं
दिविल युवा ओं के लिए दृष्टि
ज्ञान विषय तंत्रज्ञान

का लिया तथाप
खानपूर्व । अद्वितीय खानपूर्व
समझ करने के उत्तर अंतों के हीली
अवधार लगानी लिहाई के नेतृत्व में अब
अपना लगानीलाली लगानीलाली । अब वह
एक जन दिलासा करने ही गति लोकों
खानपूर्व लिख उत्तरी छाँटी पर
साधारण बदलनिकाली एवं सामनी ने
मालवाली कर उठने वालुकों की ही पर
विद्युत लिख लिख । इस बोली पर
बदलनिकाली व लालों ने खानपूर्व
की जग, चालोंवालर आजाव जबर तो
इदं महामत का उत्पाद किया । उन
अद्वितीय लंजीही लिहाई, लिहाई
अमन्या, प्राणपूर्व लिहाई, दूसरी यात्रा,
गीत विष, नृत्य द्रुमपाल, गिरिजा
लिहाई, ऊपी विष, जाता लिहाई,
राजीव लिहाई, मदक लीलामाल उदि
उम्मिया रहे ।

मानवी जनती या जनसंख्या की विवरण सेवा

आजांद का जयता पट व्यापार गड़ल न का टाट के सवा
प्रियती, कोलेक्शन। अद्यता व्यापार
गड़ल विद्युती त्रावन नगर के प्रमुख
अंदेहकर दीवाने के बास कहोने सर्वां
काव्यालय में अन्मन लाईटिंग व्यापारकर
आजांद की ११५ ही जयता पट उपर
सेव का अध्येत्र दिया गया। जिसमें
भारी भूमि एवं अमीरी हालातों लिए
ने लाई इक्षु तथा वंशीयतावालाद
की मनन दिया। इन मौजे के पर तुम
जिलाविधिकी दियत शक्तर दिवानी व
नायक तहसीलीकरण दियात कुमार ने भी
शरारत का संकाल लिया। तो समाज से
जिलिन्द्र प्रधान की सम्मान लेना वे सुने
वाले अद्यता व्यापार गड़ल की विद्युती
जावड़े ने आज तक सेव अध्येत्रियों
की (जिसमें जयता व्यापारकर ने भी
शामिल दिया)। इन मौजे के पर व्यापार
गड़ल के अस्त्र खुनेट कुमार दिवानी ने
उद्योगिताविधी व नायक तहसीलीकरण
सहित कई वालाली की वे अन्मन कई
समाजसेवियों की संस्थाएँ आजांद
का एक बड़ा घोटी दिन सहित दृढ़र
स्वाक्षर दिया और उन्हे लाईट मेट
दिया। इस उपर एवं उन्मनी काव्यके
उन्मन लाईट कामानेकर के द्वारा
नाईट स्लेटिंग लाई है। लोरेज
सम्मान लाल के दीर्घन थी विद्युत
प्रकाश की सहायता व सेवा लंगठन
ने लग रखने की मुद्रिता कराई है।
दिन भर यही लाईट सेव ने नायक
तहसीलीकरण दिवानी मिलिना कुमार,
उद्योगिता उद्योगिता नियमिता प्राप्त
दिया, अत्रांत व्यापार महाल दिवानी के
कुलाल सिंह दिवाना वीकासन, लाईट
प्रेस्ट, राजीव चुला, नंदी एट्टल, लैक्स
लैक्स, दुर्गेन चंद्र, सुर्यो चुला, नित
चंद्र, नायक तहसीलीकरण दृढ़र
महिला अध्यक्ष नलिनीन, डॉक्टर
रामेश एट्टल, नंदी निया, डॉक्टर
कृष्ण दिवाना, तजोन कुमार आजांद
एड्युकेट अफिस संस्थानी, निती वाला
एड्युकेट अटी तेज उमीदवाले।

सीएसए में मनाई गई चंद्रशेखर आजाद की जयंती

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की 115वीं जयंती मनाई गई। कुलपति डॉ. डीआर सिंह परिसर में लगी आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि ये गर्व की बात है कि अमर बलिदानी आजाद के नाम पर विवि का नाम है। इस मौके पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ. आरपी सिंह, निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश, डॉ. एकें सिंह, मानवेंद्र सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान आदि रहे।

चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूत्रों के बलिदान से ही देश सुरक्षित

अधिकारी, कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि पर्यावरणीयोंगता विश्वविद्यालय में 23 नुसारे को पाठ के अन्तर्गत स्वतंत्र संघर्ष के महानायक एवं इतिहासी वैष्ण चंद्रशेखर आजाद को विश्वविद्यालय परिसर ने 115 लोक द्वारा बनाई गई। इस अवसर पर कुलपति डॉ. डॉ. अ. अ. मिह ने विश्वविद्यालय परिसर ने आजाद को प्रतिना की नमन कर भास्यापूर्ण एवं अच्छ अंदेश किये।



गढ़ोखर जागा कीरिया पर उत्तरिया वरनका बदले लगावी है अब

इस अवधार पर तुलसीति कहा कि वंदूरोचन आजद महान लग्नों के जन्मगति से ही देश लुप्तमन है। उन्होंने कहा कि मूँह अपार स्थिरी है, जिस भारत के महान सपुत्र इतिहासी के नाम पर हानि लिया है। और मिर अमाना संपूर्ण जगत देश की स्वतंत्रता के लिए गमार्हित कर दिया। इस अवधार पर निरेशक छात्र कल्पना डॉ. अर-

पी. बिल्ड, निर्वाचक संघर्ष का एष्टके प्रकाश, एपन्नवायक दो एक विह, संवृत्त जागिकरी मानवर मिल डॉ. डी. के. चिपट्टी एवं मीटिंग प्रभारी दो, अलोल खान सहित अन्य लोगों ने आगाम को प्रतिमा पर प्रथ अपेक्ष कर इस नम्रन किया।

ગુજરાત સી પ્રેરણ હોકર
રિદિશા રૂપાઓ કે લિએ દાંયાન
સા સિયા ટાંયાન

कल्पना । अद्वितीय भवित्व कीट
सामाजिक मरणविषय उन प्रकाशों के साथीय
अवधारणाओं द्वारा लिखानी के नेतृत्व में प्राप्त
उन लाभोंका बारे उनके विवरण आवश्यक
जो एक प्रियता सामाजिक गति वैज्ञानिक
आनुभुव विषय उनकी पोषणाएँ
महान् अद्वितीयरीयों या अद्वितीयों
पालनार्थी द्वारा उन विद्यालयों दी जानी
प्राप्त होनेवाली । इस पाठ्यक्रम पर
अद्वितीयरीयों व अद्वितीयों के असर मात्रा
दी जाए, उद्योगवर्ग आगम अनुसन्धान
विद्यालयों का दातारानीय लिखा । इस
प्रवर्षामध्ये अन्यायी विवरी, विविध
प्रकाशन, जनका लिखेवी, सुनान वाच्य
गीतानि, सुनेन्द्र सुनानि, लिखा
लिखी, अधीन्देश, प्राचलिपाही,
सनील लिपाही, मानक पंडितास्त्रा आदि
प्राप्तिकर रहे ।

आजांट की जरूरती पट व्यापार गंडल ले की शरद बत देगा

किया गया, जोलीमुर। आदर्श व्यापार
मेहन बिन्दुओं द्वारा उत्पन्न के गम्भीर
प्रदूषक दोनों हैं जो जल कंप्रेस वहीं
वालीलग्न में उत्पन्न जलोंही वालीलग्न
आजाद वे १५ वीं जनवरी पर उत्तेज
रोशा का उत्थान किया गया। तिरामी
भाई भीट जाकी और रात्रांसी लोगों
ने उत्तेज स्थगण कर चला गए अगले
दो दिन दिया। इस भीषण पर उत्तेज
मिलाई गयी थिया। इसके लिये उत्तेज के
गम्भीर तबाहीलग्न खिड़क लुम्बार ने भी
उत्तेज का निराकार दिया। तभी रामाय
दिविन प्राप्ति की सामग्री से रहने
दाले आपने व्यापर मेहन की विद्या
इक्कड़ी ने आप शक्ति दिया आदर्शित
ही। तिरामी कामी व्यापरियों ने भी
सामग्री दिया। इस भीषण पर व्यापर
मेहन के अवधि भूमेंट लुम्बार दिया है
उत्तेज की विद्या ने व्यापर तबाहीलग्न
साझा कर लक्ष्मान की वे उन्हें कई
सामग्री की दूसरी ओर चढ़ा दिया



आज

महानगर

कानपुर 24 जुलाई 2021

चंद्रशेखर आजाद की 115वीं जयंती मनाई



आजाद की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाते कुलपति व अन्य।

कानपुर, 23 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मा.कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने आज भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115 वीं जयंती मनाई। सीएसए के कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर

माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। विवि के कुलपति ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन

● सीएसए के कुलपति डा. डी.आर.सिंह ने आजाद की मूर्ति पर माल्यार्पण किया

देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं

आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ आर. पी. सिंह, निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश, डॉ ए. के. सिंह, संपत्ति अधिकारी मानवेंद्र सिंह, डॉ. वी. के. त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान आदि ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।



जन एक्सप्रेस

janexpresslive

लखनऊ, शनिवार, 24 जुलाई, 2021, वर्ष : 12, अंक : 276, पृष्ठ : 12, गूल्हा ₹ 3.00/-

निदेशक कान देवतान ते कामीकरणीय हिन्दी एपीपर | www.janexpresslive.com/epaper

‘आजाद’ की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्टि अर्पित

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 115 वीं जयंती के अवसर पर सीएसएयू के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्टि अर्पित किए। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि हमारे विश्वविद्यालय का नाम भारत के इस महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर है। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और अपना पूरा जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। कुलपति ने कहा कि उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूँ और आजाद रहूँगा और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ. आर. पी. सिंह, निदेशक शोध डॉ. एच. जी. प्रकाश, निदेशक प्रसार डॉ. ए. के. सिंह, संपत्ति अधिकारी मानवेंद्र सिंह, डॉ. वी. के. त्रिपाठ, डॉ. खलील खान सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्टमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।





कृषि विश्वविद्यालय ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 115 वीं जयंती मनाई

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मा.कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने आज दिनांक 23 जुलाई, 2021 को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115 वीं जयंती मनाई। मा.कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। मा.कुलपति डॉक्टर सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ आर. पी. सिंह, निदेशक शोध डॉक्टर एच जी प्रकाश, समन्वयक /निदेशक प्रसार डॉक्टर ए के सिंह, संपत्ति अधिकारी मानवेंद्र सिंह, डॉ. वी. के. त्रिपाठी एवं मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया। (डॉ खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर।





राष्ट्रपति भवन और राष्ट्रपति भवन संग्रहालय परिसर 1 अगस्त, 2021 से ज

[Home](#) / समाचार / कृषि विश्वविद्यालय ने मनाई स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद की 115 वीं जयंती



कृषि विश्वविद्यालय ने मनाई स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद की 115 वीं जयंती

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने आज शुक्रवार, 23 जुलाई को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115 वीं जयंती मनाई। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। कुलपति डॉक्टर सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद अंतिम सांसों तक आजाद रहे।

इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ. आर. पी. सिंह, निदेशक शोध डॉक्टर एच. जी. प्रकाश, समन्वयक/निदेशक प्रसार डॉक्टर ए. के. सिंह, संपत्ति अधिकारी मानवेंद्र सिंह, डॉ. वी. के. त्रिपाठी एवं मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।



R.N.I. NO UPHIN08 2013/53179

कानपुर नगर कानपुर देशत उत्तराव समीरपुर कन्नौज इटावा उर्ड जातीन लखनऊ आगरा मथुरा औरया इतासवाद से एक साथ प्रसारित

वर्ष - 8
 अंक - 226
 कानपुर
 शनिवार, 24
 जुलाई 2021
 पृष्ठ - 4
 मूल्य 1:00

2 गज की दूरी, मास्क है जल्दी

सौशल रिपोर्टर



हिन्दी दैनिक

कृषि विश्वविद्यालय ने महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 115 वीं जयंती मनाई

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मा.कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने आज दिनांक 23 जुलाई, 2021 को भारत के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115 वीं जयंती मनाई।

मा.कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये। मा.कुलपति डॉक्टर सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है।

उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ आर. पी. सिंह, निदेशक शोध डॉक्टर एच जी प्रकाश, समन्वयक/निदेशक प्रसार डॉक्टर ए के सिंह, संपत्ति अधिकारी मानवेंद्र सिंह, डॉ. वी. के. त्रिपाठी एवं मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।



हर शाम की
शुल्कआत करिए
के साथ



क्यूआर कोड स्कैन करें

और पूरी पाइए डिजिटल कॉपी

www.dinartimes.in

शाम
की चाय
की चुस्कियाँ
के साथ



मैं आजाद था आजाद हूं आजाद रहूंगा: शहीद चंद्रशेखर

कृषि विश्वविद्यालय ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रातिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 115 वीं जयंती मनाई।

त्रिटीएचए

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने शुक्रवार को भारत के सापूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रातिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115 वीं जयंती मनाई। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण एवं पूष्प अर्पित किये। कुलपति

डॉक्टर सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रातिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रातिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंगेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया। और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद जी से

अंगेज सरकार कोपती थी। उन्होंने कहा था कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा। और अंतिम सांसों तक आजाद रहें। इस अवसर पर विदेशक छात्र कल्याण डॉ. आर. पी. सिंह, विदेशक शोध डॉक्टर ए के सिंह, संपर्चि अधिकारी मानवेंद सिंह, डॉ. वी. के. त्रिपाठी एवं भीड़िया प्रभारी डॉ. खलील खान सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रातिकारी सपूत को नमन किया।



लाखनऊ संस्करण

कम्प-05, ब्रैंक - 266

एग्जिप्ट, 24 जूलाई, 2021

पृष्ठ 12

मूल्य 3 रुपये

लखनऊ, बीरला, हास्ती और वैष्णवी के प्रकाशित

For epaper → www.updainikbhaskar.com

देश तथा लोकसे विषयकलीय अखबार

दैनिक भारत



06

ब्रा. अंक

धन्दोखार आजाद जैसे महान सपूत्रों के बलिदान से ही देश सुरक्षित : कुलपति

महानायक आजाद की 115वीं जयंती मनाई गई

लखनऊ अनुष्ठान

लखनऊ : बद्रीनस्त्री आजाद की एवं प्रियंकार्तिकी विश्वविद्यालय के महाकुली डॉ. लीज़ास. सिंह ने 23 जुलाई को भवत के सहृदय स्वामी महान के महानायक एवं इतिहासी दीप बद्रीनस्त्री आजाद की विश्वविद्यालय परिसर में 115 वीं जयंती मनाई। कुलकी ने

विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की इतिम की नमन कर बहसफौत एवं पुण्य अर्पित किये। कुलकी डॉ. सिंह ने कहा कि बद्रीनस्त्री आजाद महान सपूत्रों के विविध तथा नमन से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अब तुम्हीं ही, कि इस भवत के महान सहृदय की विश्वविद्यालय के नमन पर



हन्ते विश्वविद्यालय का नम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान कालिकारी के बुद्ध्य ने देश व सभु भूमि के लिए हाथ उठा किया है कि उन्होंने बहुत जोड़ी जन से ही अंगजों के लिए जीव लेना चुना किया। और विन अपने साथ करना

जीव देते वी सर्वांगत के लिए समर्पित कर दिया। आजाद से बहुत लाभावर करायी जीती है। उन्होंने कहा कि मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा। ऐसे अंगिम सरसवे तक आजाद रहै। इस अवसर पर निर्देशक जीव उपचार

आजाद से प्रेरणा लेकर शिथित युवाओं के लिए संघर्ष का लिया संकल्प

अद्युत भारतीय लक्ष्मी नवाचक महासंघ भवत इकाई के बैठीव अध्यक्ष संघर्ष शिथिती के नेतृत्व में आज अम्ब वानिकारी धन्दोखार आजाद का जन्म विद्यालय मनाहे तुम्हे नेतृत्व धन्दोखार अम्बर शिथित उन्होंनी इतिम पर सम्मत प्रतिविकारी एवं नदमवी ने मन्दावी तक उन्हें धन्दोखारी दी एवं शिवान शिवान शिवा। सभी प्रदीपिकारी व सदस्यों ने भासत मत की जब धन्दोखार आजाद अम्ब रहे, उन्हें नामन का उद्घाटन किया और उहांट भवत सिंह के जीवन पर ब्रह्म ताली तूर लगा कि भवत सिंह ने देशविनिवेदी की आजाद करने के लिए अपने आज की कुर्बान तर

हुं आ. पी. सिंह, निर्देशक होने लिए एवं जीव लंकान एवं नीतिका पर्याप्ती के, विवाही एवं नीतिका पर्याप्ती के लिए लंकान उपचार उपचार ए के सिंह,

दिव मन अपने आज की अंगजों को नहीं सौह और स्वयं को नीती सारखन रहीद ही था। उन्हांने बहुत जैसे देह नहीं देना चाहिए और देह हित में तर्म कर देह की समृद्धि के तरसे यह तो जने का कर्म चुनना चाहिए यही उन्हें सभी धन्दोखारी ही होती। इस अवसर पर संकीर्त शिथिती, शिवान अम्बना, धन्दोखारी, नीतीत ताली, नीतीत भवत, सुर्दृष्ट कुम्भमितोत्त शिथिती, औरी भवत, प्रशान शिथिती, नाजीव शिथिती, साथक भीवासन अदि उपस्थित रहे।

उपस्थित लोगों ने भी उपमहात्मा अर्पित तर इतिहासी उन्होंने की नमन किया।





6

कानपुर न्यूज़

www.dinartimes.in

DT दीनार टाइम्स



सीएसए में भूमि संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

ट्रीएजन

कानपुर। सीएसए के भूमि संरक्षण एवं जल प्रबंधन विभाग में वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ आर पी सिंह ने कहा कि वृक्ष लगाने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण लाभ यह है कि वे कार्बन डाइऑक्साइड और र्खांस ऑक्सीजन का आदान प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में ऑक्सीजन की जरूरत सभी को ज्ञात है वृक्ष न केवल कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं। बल्कि वातावरण से कई अन्य हानिकारक गैसों को भी और शोषित करते

हैं। जिससे वातावरण को ताजगी मिलती है। डॉ सिंह ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण को शांत रखते हैं वह गर्भी के असर को भी कम करने में मदद करते हैं। साथ ही पक्षी पेड़ों पर घोंसले का निर्माण करते हैं जिससे उन्हें आश्रय मिलता है। इसके अतिरिक्त वृक्ष वायु प्रदूषण को नियन्त्रित करता है। उन्होंने कहा कि वृक्ष ही प्रकृति की शोभा का भंडार है। वनों के द्वारा प्रकृति का जो रूप निखरता है वह मनुष्य को प्रेरित करता है। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉक्टर मनीष गंगवार, डॉक्टर यूडी अवस्थी, डॉक्टर सर्वेश कुमार एवं शोध छात्र शैलेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

23 जुलाई 2021, शुक्रवार

www.worldkhabarexpress.media**MID DAY E-PAPER**www.worldkhabarexpress.com

चंद्रशेखर आजाद की 115वीं जयंती मनाई

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने शुक्रवार को देश के सपूत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की 115वीं जयंती मनाई। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में आजाद की प्रतिमा को नमन कर माल्यार्पण किया। कुलपति ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद से अंग्रेज सरकार कांपती थी। उन्होंने कहा था, ‘मैं आजाद था, आजाद हूं, और आजाद रहूंगा।’ अंतिम सांसों तक वह आजाद रहे। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ. आरपी सिंह, निदेशक शोध डू. एचजी प्रकाश, समन्वयक /निदेशक प्रसार डॉ. एके सिंह, संपत्ति अधिकारी मानवेंद्र सिंह, डॉ. वीके त्रिपाठी व मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी पुष्पमाला अर्पित कर क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

